

## पार्किन्संस बीमारी के कारण

शरीर की गतियों (Body movements) का नियंत्रण मस्तिष्क में स्थित नर्व सेलों द्वारा किया जाता है जो कि एक-दूसरे को संदेश पहुँचाते हैं। ये संदेश न्यूरोट्रांसमीटर नाम के रसायनों द्वारा पहुँचाए जाते हैं जो कि अलग-अलग नर्व सेलों के बीच में होते हैं। स्वस्थ व्यक्तियों में ये संदेश बहुत आसानी से आते-जाते हैं।

शरीर की गतियों को कंट्रोल करने वाला एक महत्वपूर्ण न्यूरोट्रांसमीटर है डोपामिन। पार्किन्संस बीमारी से प्रभावित लोगों के मस्तिष्क में डोपामिन की कमी होती है और इस कारण से एक नर्व सेल से दूसरे नर्व सेल तक संदेशों को भेजने का सिलसिला गड़बड़ा जाता है। इस गड़बड़ी के कारण शरीर की गतियों को नियंत्रण करने में समस्याएं पैदा होती हैं।

डोपामिन की कमी होने का कारण है मस्तिष्क में डोपामिन का निर्माण करने वाले नर्व सेलों का नष्ट हो जाना। नर्व सेलों का नष्ट हो जाना पूरी तरह से एक सामान्य प्रक्रिया है जो कि स्वस्थ से स्वस्थ लोगों में भी होती है, लेकिन पार्किन्संस बीमारी में मस्तिष्क के एक विशेष भाग सबस्टैंशिया निग्र्या से नर्व सेल बहुत अधिक मात्रा में नष्ट हो जाते हैं। यह विशेष भाग शरीर की गतियों को नियंत्रण करने वाला एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके परिणाम स्वरूप चलने-फिरने में कठिनाइयाँ, मांसपेशियों में जकड़न तथा कंपन पैदा हो जाता है।

चिकित्सा विशेषज्ञों को आज तक भी इस बात की पक्की जानकारी नहीं है कि ये नर्व सेल क्यों नष्ट हो जाते हैं या फिर किन कारणों से कुछ लोगों में पार्किन्संस बीमारी होती है और कुछ लोगों में नहीं। फिर भी पार्किन्संस बीमारी एक संक्रामक बीमारी नहीं है और यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को नहीं फैलती है।